गोगा गोरख का जोड़ा ठाट का भुतां कै तो करंट लगै सै हजार वाट का

बागड़ देश म्ह,
गोगा गोरख का,
जोड़ा ठाट का,
भुतां कै तो करंट लगै सै,
हजार वाट का,
हे रै रै हजार वाट का,
हेरै रै हजार वाट का हो।bd।

तर्ज – श्याम जीमावै जाटणी।

गोरख रूप म्ह शिवजी बैठे,
गोगा रूप म्ह नाग पदम,
नजर मिलै जब भगतां गेल्यां,
टेंशन हो जा सारी खत्म,
फूल कमल दिल खिले देखकै,
चांँद ललाट का,
भुतां कै तो करंट लगै सै,
हजार वाट का।bd।

क्रोध भरी नजरों से देखैं,
भुतां के सिस्टम फैल करैं,
मंद मंद मुस्का कै नै,
भक्तों के दिल म्ह प्यार भरैं,
जब यह बणैं रुखाले काम ना,
रह घबराहट का,
भुतां कै तो करंट लगै सै,
हजार वाट का।bd।

मंदिर अंदर भूत भूतणी,
मार कै किल्की रोवैं सैं,
मार पड़ै जब गुरु चेल्ले की,
राह भाजण का टोहवैं सैं,
एक नू बोल्या मत मारो,
मैं बुड्ढा साठ का,
भुतां कै तो करंट लगै सै,
हजार वाट का।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हजार वाट का।bd।

करै गुलामी गजेन्द्र स्वामी,
बागड़ के दो शेरां की,
लक्की शर्मा किस्मत आला,
दौलत पाग्या मेहरां की,
भक्तों में दिया नाम गिणा,
भंवर लाल जाट का,
भुतां कै तो करंट लगै सै,
हजार वाट का।bd।

बागड़ देश म्ह,
गोगा गोरख का,
जोड़ा ठाट का,
भुतां कै तो करंट लगै सै,
हजार वाट का,
हे रै रै हजार वाट का,
हेरै रै हजार वाट का हो।bd।

गायक – लक्की शर्मा।
लेखक – गजेन्द्र स्वामी।
कुड़लाण (करनाल)
9996800660

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com